केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 47 रविवार 6 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में घर में फंदे से लटका मिला महिला का शव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र में शनिवार को एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर की गली में फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मायके के लोग भी मौके पर जा पहुंचे।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी। घटना शनिवार की सुबह तकरीबन 10 बजे की बताई जा रही है। बताया गया कि रिद्धि वर्मा (35) पत्नी शिव कुमार, निवासी दुबौली मिश्र का विवाह वर्ष 2021 में हुआ था। शिव कुमार की शादी दुबौलिया थानाक्षेत्र के सिटकिहवा गांव में हुई थी। रिद्धि वर्मा के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा सुशांत करीब चार वर्ष और छोटा बेटा कार्तिक करीब दो वर्ष का है। शनिवार को रिद्धि का शव घर की गली में फंदे से लटकता मिला। घटना की सूचना मिलते ही कप्तानगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बताया जाता है शिव कुमार के माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में केवल शिवकुमार और उनकी पत्नी रिद्धि के अलावा बच्चे ही रहते थे। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची और मौके से जानकारी इकट्ठा की। थानाध्यक्ष कप्तानगंज आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। कप्तानगंज के दुबौली मिश्र में लटकते शव की घटना 8 बजे के बाद की बताई जा रही है, क्योंकि चार वर्षीय बेटा शुसान्त स्कूल पढ़ने चला गया था।

अज्ञात वाहन की ठोकर से एक की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर बसहवा के पास शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत–विक्षत शव मिला। हाईवे पर शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बसहवा फ्लाईओवर के पश्चिमी छोर पर शव देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज फुटहिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर उसकी पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेजा। आशंका है कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई है। दुर्घटना की वास्तविक स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। फुटहिया चौकी प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई पूरा किया। शव की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

गौर थाना परिसर में हर्षोल्लास से मना जन्माष्टमी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

गौर (बस्ती) । जन्माष्टमी के अवसर पर आमतौर पर सभी थानों में जन्माष्टमी पर्व मनाने की परंपरा है इस आस्था और परम्परा के क्रम में विशेष रूप से गौर थाना परिसर में इसका आयोजन थाना प्रभारी अतुल कुमार अंजान तथा एस आई राजेश कुमार यादव एवं थाना के सभी लोगों की प्रमुखता से सहभागिता नजर आयी ।

पूजा स्थल की सजावट और भव्यता विशेष नजर आयी इसकी सजावट में मुख्य भूमिका थाना परिसर की महिला सिपाही मीरा यादव और उनकी सहकर्मियों द्वारा किए गए प्रयास की झलक नजर आई, थाना परिसर के कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि आमतौर पर हर वर्ष जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन इस बार थाना प्रभारी अतुल अंजान के मार्गदर्शन में विशेष रूप से जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया।

वर्षों पुरानी मस्जिद जमींदोज

सहारनपुर (आभा)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित करीब 120 साल पुरानी बताई जा रही मस्जिद 570 दिन की शिकायत, जांच और अदालती कार्रवाई के बाद शनिवार को पूरी तरह जमींदोज हो गई। कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुआ ध्वस्तीकरण दिनभर चला और देखते ही देखते मस्जिद का पूरा ढांचा मलबे में तब्दील हो गया। चार जेसीबी मशीनों से मस्जिद को गिराया गया और नगर निगम के आधा दर्जन से अधिक डंपरों से मलबा कलेक्ट्रेट परिसर से बाहर भेजा गया। इस दौरान काफी गहमा–गहमी का मौका रहा।

मस्जिद के ध्वस्तीकरण से पहले रातभर बेदखली और सीलिंग की कार्रवाई चली। इसके बाद सुबह से जेसीबी ने मस्जिद को गिराना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर छावनी में तब्दील रहा। सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्ट्रेट के सभी प्रवेश द्वार बंद रखे गए। 10 से अधिक थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएसी तैनात रही।

गौरतलब है कि सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित मस्जिद को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया था। बताया गया कि जिला न्यायालय के आदेश के बाद प्रशासन की ओर से यह कार्रवाई की गई थी। मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मस्जिद गिराए जाने पर दुख जताते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को नफरत और विभाजनकारी राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जा सकता। अजय राय ने एक्स पर पोस्ट कर सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में वर्ष 1911 में बनी मस्जिद को गिराए जाने को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि नफरत और विभाजन की राजनीति से समाज मजबूत नहीं होता, बल्कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारा कमजोर होता है।

भाजपा नेता अभिनव उपाध्याय ने लगाया एक पेड़ गुरूजनों के नाम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर भाजपा नेता अभिनव उपाध्याय ने बाबा भदेश्वर नाथ ग्राम में गुरुजनों के सम्मान में "एक पेड़ गुरुजनों के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण किया।

इस अवसर पर अभिनव उपाध्याय ने कहा कि गुरुजनों और वृक्षों में अनेक समानताएं हैं। जिस प्रकार वृक्ष हमें जीवन के लिए प्राणवायु, छाया, फल और पर्यावरण संरक्षण प्रदान करते हैं, उसी प्रकार गुरुजन अपने ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से हमारे जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। गुरु हमारे व्यक्तित्व को संवारते हैं और हमें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के दिन गुरुजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना भी आवश्यक है। एक वृक्ष आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का माध्यम बनता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर किया गया यह वृक्षारोपण गुरुजनों के सम्मान और प्रकृति संरक्षण का सुंदर संदेश देता है।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान शिव पुजारी , प्राथमिक विद्यालय भदेश्वर नाथ के प्रभारी प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार पाण्डेय , सहायक अध्यापक साक्षी सिंह, यशश्वी सिंह, हरीशचन्द्र चौधरी, पूनम शुक्ला, मंजू देवी, राघवेंद्र त्रिपाठी, विवेक त्रिपाठी, संजय श्रीवास्तव वन विभाग के सांवल मिश्र सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर ग्रामीण बैंक ने किया शिक्षकों का सम्मान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शिक्षक दिवस पर शनिवार को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित कर शिक्षा, संस्कार और समाज निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

मुख्य अतिथि सदर ब्लॉक के अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज की दिशा और राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने वाला मार्गदर्शक होता है। एक शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार और आचरण से पीढ़ियों का निर्माण करता है। इसलिए शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का सम्मान है।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के डीआरएम भूपेन्द्र नाथ पाण्डेय ने बैंक द्वारा शिक्षकों एवं आमजन के लिए उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय सुविधाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कहा कि बैंक का उद्देश्य ग्राहकों को सरल, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ–साथ समाज के विभिन्न वर्गों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना है। संचालन बैंक के सतर्कता विभाग के क्षेत्राधिकारी सापेक्ष शुक्ल ने किया।

—शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव– शैल

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय एवं अनुकरणीय पहल है। कहा कि जब कोई संस्था शिक्षकों के योगदान को सम्मान देती है तो इससे न केवल शिक्षकों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि समाज में शिक्षा एवं शिक्षक के प्रति सम्मान की भावना भी मजबूत होती है।

समारोह में जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं विभागों से जुड़े शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संजय पाण्डेय, संतोष कुमार मिश्रा, ज्ञान प्रताप उपाध्याय, आशुतोष कुमार पाण्डेय, शिवशंकर यादव, अमरेन्द्र कुमार प्रजापति, रवीन्द्र गौतम, राघवेन्द्र प्रताप पाण्डेय, सचिन शुक्ल, अखिलेश कुमार मिश्र, उत्कर्ष मिश्रा, करुणा निधान मिश्रा सहित जनपद के अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिटी पब्लिक स्कूल में उल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। आवास विकास कॉलोनी स्थित सिटी पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा के चरित्र को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने राधा–कृष्ण के स्वरूप में सजकर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनकी वेशभूषा, अभिनय और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और प्रेम एवं सद्भाव के संदेश को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की तैयारियों में विद्यालय की डायरेक्टर सुशीला शुक्ला के साथ बबीता सिंह, संध्या गुप्ता, ज्योति सोनी, श्वेता, सिद्धार्थ, नबीजुद्दीन और निशा का विशेष योगदान रहा। शिक्षकों ने बच्चों को कार्यक्रम के लिए तैयार कराया और उनकी प्रस्तुतियों को बेहतर बनाने में मार्गदर्शन दिया।

इस दौरान अंशिका, जानवी, श्रेया, जिगर, रिया, प्रावी सहित अन्य छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया। बच्चों के उत्साह और शानदार प्रस्तुतियों से विद्यालय का वातावरण कृष्णमय हो गया।

विद्यालय परिवार ने बच्चों को श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेते हुए प्रेम, सत्य, कर्तव्य और सद्भाव के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित हुईं विभूतियां

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शनिवार को समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा प्रेस क्लब सभागार में डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप शिक्षकों को उनके योगदान के लिये समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में माता–पिता के बाद शिक्षकों का स्थान सर्वोच्च है। समर्थ शिक्षक जीवन को सही दिशा देते हैं।

—जीवन निर्माण में शिक्षकों का सर्वोच्च स्थान–राजेन्द्र प्रसाद चौधरी

विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल' पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, सपा नेता दयाशंकर मिश्र ने सम्मानित किये गये शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि शिक्षक अनेक समस्याओं से गुजर रहे हैं किन्तु भाजपा की सरकार में शिक्षकों की मागों को लगातार अनसुनी कर रही है। कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों की समस्याओं का प्रभावी निस्तारण कराये जिससे पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन ने शिक्षको के लिये जो भावना व्यक्त किया था वह जमीनी धरातल पर साकार हो। डा. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी ने अतिथियों, शिक्षकों का स्वागत करते हुये बताया कि मनोज कुमार मौर्य, सतिराम निषाद, सन्तोष कुमार प्रजापति, आलोक कन्नौजिया, सूर्य प्रकाश को उनके शैक्षणिक योगदान के लिये समाजवादी शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम लाल श्रीवास्तव, रामचन्द्र यादव को समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया गया। संचालन महामंत्री श्रीनाथ विश्वकर्मा ने किया।

कार्येक्रम में डा. हरिओम श्रीवास्तव, तफज्जुल हुसेन, जगदम्बा प्रसाद भावुक, प्रवीन गुप्ता, अर्जुन यादव, आर.डी. निषाद, चन्द्रशेखर वर्मा आदि ने शिक्षकों की भूमिका और नयी चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. प्रमोद उपाध्याय, डॉ. अरून मिश्र, बी.एन. तिवारी, पवन चौधरी, रामभवन यादव, दरवेश यादव, हरीराम, हरीश, दिनेश यादव, रामरक्षा वर्मा, रामचन्द्र निषाद, सुभाष चन्द्र चौधरी, प्रदीप चौधरी, रमाकान्त पटेल, अशोक वर्मा, गोपालचन्द्र, वीरेन्द्र कुमार यादव, दीपक कुमार, रमेश कुमार वर्मा, राजवन्त यादव, धीरेन्द्र मोहन गौतम, सुनील मौर्य, विजय बहादुर वर्मा, सुजीत कुमार, राजकुमार यादव, ज्ञानदास चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और समाजवादी विचारधारा से जुड़े लोग मौजूद रहे।

ब्लास्टिंग के कंपन से धराशाई हुआ क्रशर प्लांट का डग, चार मजदूरों की मौत

मिर्जापुर (अभा)। मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र के भगवती देई पहाड़ी पर शनिवार की दोपहर बने क्रशर प्लांट में ब्लास्टिंग के कंपन से डग धराशाई हो गया। जिससे वहां पर ताश खेल रहे चार मजदूर दब गए। जेसीबी की मदद से सभी को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मलबे से निकलने वाले चार लोगों की मौत हो गई थी। पर अब तक मौत की प्रशासनिक पुष्टि नहीं हो सकी है। सभी को अस्पताल ले जाया गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुटी है।

एएसपी ऑपरेशन राजकुमार मीणा ने बताया कि भगवती देवी में क्रेशर प्लांट है। जहां पर प्रतिदिन ब्लास्ट होता है । एक से डेढ़ बजे के बीच पत्थर तोड़ने के लिए ब्लास्ट होता है। शनिवार को एक से डेढ़ के बीच जब ब्लास्टिंग की गई तो वहां पर एक स्ट्रक्चर है। जो बारिश के कारण नींव में पानी जान से कमजोर हुआ था। ब्लास्टिंग के कम्पन से वह धराशाई हो गया। पास में ताश खेल रहे चार मजदूर इसकी चपेट में आ गए। सभी को बाहर निकाल कर ट्रामा सेंटर वाराणसी भेजा गया है। अभी किसी के मौत की नहीं हुई है पर सभी गंभीर रूप से घायल है। मौके पर जाकर जांच पड़ताल की जा रही है। चारों मजदूर सोनभद्र के जुगैल थाना क्षेत्र के बाद गांव के रहने वाले हैं। शोक गोंड, लालबहादुर बैगा, दुर्योधन विश्वकर्मा व राकेश गोंड हादसे का शिकार हो गए।

शिक्षा मित्रों ने किया विशेष टीईटी परीक्षा में शामिल किए जाने की मांग: सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शनिवार को आदर्श समायोजित शिक्षक/ शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रसाद उपाध्याय के साथ शिक्षक दिवस के अवसर पर विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह को सम्बोधित ज्ञापन उनके प्रतिनिधि हरीश सिंह को सौंपा। ज्ञापन में सरकार से समायोजित शिक्षकों व शिक्षा मित्रों को विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) में शामिल किए जाने की मांग किया गया है।

ज्ञापन देने के बाद शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष राम पराग चौधरी ने बताया कि प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पिछले 26 वर्षों से कार्यरत शिक्षा मित्रों को इस विशेष परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर नहीं दिया गया है। उन्होने मांग किया कि शिक्षा मित्रों को भी इस विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा में शामिल कर उन्हें समायोजन का अवसर दिया जाए।

सेन्ट्रल एकेडमी में संकल्पों के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में शनिवार को शिक्षक दिवस का पर्व उत्साह और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। निदेशक जय प्रकाश तिवारी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमारे जीवन को माता–पिता के बाद शिक्षक ही ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन देकर सही दिशा देने का काम करता है। वो शिक्षक ही होते हैं, जो बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ तौर पर हमें शिक्षा के साथ–साथ अच्छे और बुरे का फर्क समझाते हैं। किताबी ज्ञान देने के साथ–साथ शिक्षक समाज के निर्माता भी होते हैं। किसी भी क्षेत्र में शिक्षक ही जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करते हैं।

—ज्ञान, संस्कार देकर जीवन को सही दिशा देते हैं शिक्षक– जय प्रकाश तिवारी

निदेशक सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक और प्रख्यात शिक्षाविद थे। शिक्षक दिवस पूर्व राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करने का दिन है जिन्होने अपना जन्म दिन गुरूजनों को समर्पित कर दिया। प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने कहा कि हम सभी के जीवन में गुरूजनों का विशेष महत्व होता है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा में बहुत विश्वास रखते थे। वे एक महान दार्शनिक और शिक्षक थे। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनमें विद्यमान थे।

इस अवसर पर छात्रों ने गुरूजनों के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर उन्हें उपहार भेंट किया। निदेशक जे.पी. तिवारी ने गुरूजनों को विशेष उपहार देते हुये कहा कि इनके सहयोग और समर्पण के बिना विद्यालय चलाना असंभव है। कार्यक्रम में आबिद अरशद, अतुल, फिजा अकरम, फिजा युनूस, सुधा गोंड, अंजली कौर, आजम, सम्स, जिशान प्रियंका त्रिपाठी, रानी, रूचि आदि ने छात्रों को शिक्षक दिवस के महत्व की जानकारी दिया।छात्र–छात्राओं राजश्री तिवारी, रौनक, फरहान, अलका, आराध्या, श्रेया, साक्षी, अंजली, एन्जल, आदिति मिश्रा, दिव्यांशी, निषिका, हिफजा, शुभम, आर्यन, वेदांश, आदि ने शिक्षकों की भूमिका पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरूद्ध आपत्तिजनक पोस्ट के खिलाफ कार्रवाई की मांगः अधिवक्ताओं ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी एवं आपत्तिजनक फोटो/वीडियो प्रसारित किए जाने के विरोध में शनिवार को शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में ऐसी सामग्री प्रसारित करने वाले व्यक्तियों और सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन का नेतृत्व शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने किया।

ज्ञापन देने के बाद एडवोकेट शिव शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबंध में भ्रामक, निराधार, आपत्तिजनक एवं अभद्र सामग्री प्रसारित की जा रही है, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के साथ ही समाज में गलत संदेश जाने की आशंका है। उन्होंने ऐसी पोस्ट करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि आगामी चुनाव को देखते हुए इस तरह की सामग्री के प्रसार के पीछे राजनीतिक साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रतिनिधिमंडल ने मांग किया कि इस मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और यदि जांच में कोई व्यक्ति कानून का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन सौंपने वालों में विंध्यवासिनी पाठक, अमरेश सिंह, धर्मेंद्र तिवारी, रमेश चंद्र पाण्डेय, विजयकांत सिंह, बृजेश पाण्डेय, राकेश कुमार, अजय मिश्रा, शीतल दत्त सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 सितम्बर 2026 रविवार

सम्पादकीय

शिक्षकों की चुनौतियां और सम्मान

5 सितंबर के दिन शिक्षक सार्वजनिक जीवन में अचानक दिखाई पड़ने लगते हैं। विद्यालयों में उनके सम्मान में तरह–तरह के समारोह होते हैं, कई जगह मंच सजते हैं और मंचों से उन्हें 'गुरु', 'आचार्य', 'राष्ट्र निर्माता' और 'मार्गदर्शक' जैसे विशेषणों से अलंकृत किया जाता है। विद्यार्थी अपने शिक्षकों को सम्मानित करते हैं। सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं और स्मृतियों की बाढ़ आ जाती है और इन कार्यक्रमों का प्रतिवेदन भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन जाता है। लेकिन इस बार शिक्षक दिवस के इन परिचित दृश्यों के बीच एक दूसरा प्रसंग भी उपस्थित है। वर्षों से विद्यालयों में पढ़ा रहे शिक्षकों के सामने अब शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) पास करने की अनिवार्यता का प्रश्न खड़ा है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा में निर्धारित न्यूनतम शिक्षक–योग्यता को बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार से जोड़ते हुए सेवा में कार्यरत शिक्षकों के लिए भी टेट की आवश्यकता को स्वीकार किया है।

इस निर्णय के पीछे बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने की चिंता का महत्व है। लेकिन इसी के साथ एक दूसरा प्रश्न भी सामने आता है। जो शिक्षक वर्षों से कक्षा में पढ़ाता आया है, उसके लिए नई योग्यता की इस अपेक्षा को पूरा करने की जिम्मेदारी केवल उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है या उस व्यवस्था की भी, जो उससे यह अपेक्षा कर रही है? शिक्षक दिवस के अगले दिन शिक्षक एक व्यवस्था में लौट जाता है।

यहाँ उसे बच्चों को पढ़ाना है, उनकी सीखने की कठिनाइयों को समझना है और उनसे राष्ट्र का भविष्य बनाने की अपेक्षा की जाती है। अब उसके सामने अपने नियमित अध्यापन के साथ टेट की तैयारी की एक अतिरिक्त जिम्मेदारी भी है। इसलिए शिक्षक दिवस का अवसर शिक्षक और राष्ट्र के बीच उस पारस्परिक संबंध को देखने का भी है जिसमें शिक्षक से अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। उसके सामने पेशेवर रूप से स्वयं को फिर से प्रमाणित करने की नई मांगें भी रखी जा रही हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर किसी भी गंभीर समाज को उदासीन नहीं होना चाहिए। शिक्षकों से स्वाभाविक अपेक्षाएं रहती है कि उसके पास विषय का ज्ञान हो, वह बच्चों की मनोवैज्ञानिक और शैक्षिक जरूरतों को समझता हो और बदलती शिक्षा–पद्धतियों के साथ स्वयं को विकसित करता रहे। शिक्षक का पेशा ऐसा नहीं हो सकता जिसमें नियुक्ति के बाद सीखने की प्रक्रिया समाप्त हो जाए। इस अर्थ में टेट की परीक्षा को अध्यापकीय पेशे में बने रहने के लिए न्यूनतम मानक रूप में देखा जा सकता है।

वर्षों से विद्यालय में पढ़ाने वाले शिक्षक के लिए टेट एक परीक्षा के साथ–साथ अपने नियमित कार्य के साथ जुड़ी हुई एक अतिरिक्त तैयारी भी है। लेकिन व्यवहारिक रूप से देखें तो व्यवस्था ने उसके सीखने के लिए पर्याप्त समय नहीं बनाया है। उसे अपने विद्यार्थियों की कक्षा भी देखनी है और अपने लिए परीक्षा की तैयारी भी करनी है। देश के कई राज्यों में शिक्षक निर्धारित विद्यालयी समय के बाद भी डिजिटल मंचों पर नियमित रूप से अपने प्रशिक्षणों को पूरा कर रहे हैं। तमाम गैर–शैक्षणिक कार्यों के लिए शिक्षकों को एक स्तंभ के रूप में प्रक्षेपित किया जा रहा है।

इस प्रसंग में अनुभव और परीक्षा एक विरोधाभास और नैतिक द्वन्द को दर्शाते हैं। एक शिक्षक के अनुभव को केवल इसलिए निरर्थक नहीं माना जा सकता कि अब उसके सामने एक नई परीक्षा है। दूसरी ओर, केवल वर्षों का अनुभव भी यह प्रमाण नहीं हो सकता कि शिक्षक को नई पेशेवर अपेक्षाओं को सीखने की आवश्यकता नहीं है। यहीं सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण का प्रश्न सामने आता है। एक शिक्षक वर्षों तक सेवा में रहा है और फिर उसे एक नई अनिवार्य परीक्षा के माध्यम से अपनी योग्यता सिद्ध करनी पड़ रही है।

इसे शिक्षक की व्यक्तिगत कमी के रूप में ही देखा जाना अनुचित होगा। यह हमारी सेवाकालीन शिक्षक–प्रशिक्षण व्यवस्था की प्रभावशीलता पर विचार करने का अवसर भी है। यदि सेवाकालीन प्रशिक्षण शिक्षक को बदलती आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार कर पाया होता, तो संभवतः टेट की तैयारी उसके लिए एक अतिरिक्त दुनिया न बनती। वह उसके निरंतर पेशेवर विकास की स्वाभाविक कड़ी होती। नियुक्ति के समय लागू योग्यता और सेवा के दौरान विकसित होने वाली नई योग्यता के बीच तनाव स्वाभाविक है। शिक्षा के मानक समय के साथ बदल सकते हैं। समाज बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा चाहता है और कानून भी उसी के अनुरूप बदले जा सकते हैं। संसद पहले भी शिक्षा के अधिकार कानून में संशोधन कर शिक्षकों को निर्धारित न्यूनतम योग्यता हासिल करने के लिए समय दे चुकी है। नई योग्यता को लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों तक प्रभावी और न्यायपूर्ण ढंग से पहुंचाने में विधायिका और सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य को सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षक को विद्यालयी दायित्वों के साथ परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय, प्रशिक्षण, अध्ययन–सामग्री और अकादमिक सहयोग भी मिले।

शिक्षक दिवस पर शिक्षक को सम्मानित करना आसान है लेकिन पूरे वर्ष सम्मान के साथ काम करने की व्यवस्था को सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। यदि हम चाहते हैं कि शिक्षक नई योग्यता हासिल करे, तो उसे सीखने का समय देना होगा। यदि हम उससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहते हैं, तो उसे गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना होगा। यदि हम उससे जवाबदेही चाहते हैं, तो उसे पेशेवर स्वतंत्रता भी देनी होगी। शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि सीखना शिक्षक की जिम्मेदारी है और उसके लिए सीखने की परिस्थितियां बनाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। 5 सितंबर को मंचों से शिक्षक को 'राष्ट्र निर्माता' कहना सरल है। वास्तविक सम्मान तभी संभव हो सकता है जब राष्ट्र अपने शिक्षक के वर्तमान को भी उतनी ही गंभीरता से देखे जितनी गंभीरता से वह उसके द्वारा बनाए जाने वाले भविष्य की बात करता है। इसलिए शिक्षक की योग्यता की परीक्षा और शिक्षक के प्रति व्यवस्था की परीक्षा, दोनों जरूरी हैं।

धर्म के नाम पर न विभाजित हो मनुष्यता

—विश्वनाथ सचदेव—

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर। यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा मनुष्य बना सकता है। समझना हमें यह भी होगा कि दुनिया के सब धर्म अंततः हमें अच्छा इंसान बनने का ही संदेश देते हैं।

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर देश की विविधता में एकता को रेखांकित किया था। अब फिर उन्होंने अमेरिका के न्यूयॉर्क में कहा है कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर कर देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता। भागवत का यह कथन तब और महत्वपूर्ण बन जाता है, जब हम यह देखते हैं कि भारत में उनके अनुयायी बात–बात पर भारत के मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात करते हैं, उनके सामाजिक बहिष्कार की बात करते हैं। ऐसे में यह सवाल तो उठता ही है कि उनकी किस बात पर विश्वास किया जाएकृ हिंदुओं और मुसलमानों के डीएनए के एक होने वाली बात पर या मुसलमानों को पाकिस्तान भेजे जाने वाली बात पर?

विविधता में एकता का संदेश भारत की एक पहचान है। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां इतने सारे धर्मों को मानने वाले साथ मिलकर रहते हैं। लेकिन हमारी एक सच्चाई यह भी है कि धर्म के नाम पर ही आए दिन मनुष्यता को बांटने की कोशिशें होती हैं। संघ के मुखिया मोहन भागवत के ही कई संगी–साथी आए दिन मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक होने का अहसास कराते दिखते हैं।

यह सही है कि 1947 में देश का विभाजन धर्म के नाम पर ही हुआ था, पर उतना ही बड़ा सच यह भी है कि नए भारत के संविधान–निर्माताओं ने भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं माना था। किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, भारत में रहने वाला हर नागरिक भारतीय माना गया था। यह भी सही है कि विभाजन के समय करोड़ों लोग भारत से पाकिस्तान और पाकिस्तान से भारत आए–गए थे, पर इस हकीकत से भी आंख नहीं चुराई जा सकती कि तब करोड़ों मुसलमानों ने भारत में रहना ही स्वीकार किया था। अवसर था उनके पास पाकिस्तान जाने का, पर ऐसा न करके उन्होंने इस देश की मिट्टी के प्रति अपने लगाव का ही उदाहरण दिया था। इसलिए, उनकी देशभक्ति पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं बनता। कुछ अरसा पहले आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने भारत में पैदा होने वाले हर व्यक्ति को हिंदू कहकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। आज फिर 'धर्म अलग हो सकते हैं, मगर मानवता एक है, सभी रास्ते ईश्वर तक ले जाने वाले हैं' का संदेश देकर उन्होंने मनुष्यता के धर्म को स्वीकार करने का ही आग्रह किया है।

सवाल इस आग्रह के पीछे की सच्चाई का है। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को अपना धर्म मानने, उसके अनुसार आचरण का अधिकार देता है। हर भारतीय को यह अधिकार भी है कि वह अपने विश्वास का प्रचार–प्रसार कर सके। फिर, धर्म के नाम पर किसी के कम या अधिक भारतीय होने का क्या अर्थ रह जाता है? सवाल यह उठता है कि हमारी पहचान हिंदू या मुसलमान के आधार पर होनी चाहिए अथवा भारतीय होने के नाते?

सवाल यह भी उठता है कि आजादी के अस्सीवें साल में गर्व से स्वयं को हिंदू या मुसलमान कहने–समझने का क्या अर्थ है? होना तो यह चाहिए था कि समय के साथ भारतीयता की हमारी पहचान और मजबूत होती, पर हो उल्टा ही रहा है! हम भारत माता की जय का नारा तो लगाते हैं, पर यह भूल जाते हैं कि भारत माता है क्या? देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारत–माता की एक परिभाषा हमें दी थी। इस देश के सारे नागरिक मिलकर भारत–माता को आकार देते हैं। इस तर्क को यदि हम समझ लेते हैं तो फिर स्वयं को भारतीय प्रमाणित करने के लिए कोई नारा लगाने की जरूरत नहीं रह जाती। यही भारतीयता हमारी पहचान होनी चाहिए। इसी भारतीयता पर हमें गर्व करना चाहिए। हमारी विविधता में एकता का यही अर्थ है, यही अर्थ होना चाहिए।

जब मोहन भागवत सात समुद्र पार जाकर विविधता में एकता का संदेश देते हैं, उसकी महत्ता समझाते हैं, तो इसका अर्थ सिर्फ यही होना चाहिए कि यह संदेश हर भारतीय के लिए है। सच कहें तो दुनियाभर के लिए है यह संदेश। मैं कैसे अपने आराध्य को पूजता हूं, यह मेरा निजी कर्म है। इसके आधार पर मेरी कोई पहचान निर्धारित नहीं हो सकती। मेरी वास्तविक पहचान मेरा इंसान होना हैकृ न हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा! इस रहस्य की गुत्थी कब खोलेंगे हम? कब समझेंगे इसके मर्म को। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं चाहता हूं हिंदू और अच्छा हिंदू बने, मुसलमान और अच्छा मुसलमान बने, ईसाई और अच्छा ईसाई बने... यह और अच्छा बनने की प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए हमारे भीतर। यही 'और अच्छा' होना हमें अच्छा मनुष्य बना सकता है। समझना हमें यह भी होगा कि दुनिया के सब धर्म अंततः हमें अच्छा इंसान बनने का ही संदेश देते हैं। बिना अच्छा इंसान बने, हम न अच्छा हिंदू हो सकते हैं, न अच्छा मुसलमान। लगभग सवा सौ साल पहले, कहना चाहिए ठीक 133 साल पहले, भारतीय मनीषी स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका में 'भाइयो और बहनो' के संबोधन से अच्छा इंसान होने का एक मंत्र दुनिया को दिया था। यह दुनिया के नाम भारत का एक संदेश था। इस संदेश में कहीं ऐसा भाव नहीं था कि भारत दुनिया का गुरु है, संदेश भाईचारे का था। आज भी इसी संदेश को स्वीकारने की आवश्यकता है।

विविधता में एकता वाली संघ के मुखिया की बात कुछ ऐसा ही संदेश देने वाली है। मोहन भागवत ने यह बात भले ही अमेरिका में जाकर दोहराई हो, पर यह बात हम भारतवासियों के लिए भी है। हैरानी की बात तो यह है कि देश के भीतर हम इस एकता का महत्व समझने से इनकार करते हैं। बात जरूर होती है इसकी, पर आचरण में हम इसे याद नहीं रखना चाहते। हमारे राजनेता जब 'अस्सी और बीस' की बात करते हैं, या फिर 'कपड़ों से व्यक्ति को पहचानने' का दावा करते हैं अथवा कब्रिस्तान और श्मशान की दुहाई देते हैं, तो हमारी इस अनेकता में एकता को ही झुठला रहे होते हैं।

बहरहाल, हकीकत यह है कि धर्म को राजनीति का हथियार बनाकर 'हम और वे' का जो खेल खेला जा रहा है, वह खतरनाक है। देश को बांटने वाली नहीं, जोड़ने वाली राजनीति की आवश्यकता है। बंटने का यह भाव किस सीमा तक जा पहुंचा है, इसका जीता–जागता उदाहरण है यह शिकायत कि 'रघुपति राघव राजा–राम' वाले भजन में गांधीजी ने 'ईश्वर–अल्ला तेरा नाम' क्यों जोड़ दिया? इस तरह के सवाल उठाने वाली मानसिकता राष्ट्रीय हित और मनुष्यता की दृष्टि से बहुत खतरनाक है। इस खतरे को पहचानना और इससे बचने की ईमानदार कोशिश करना जरूरी है। पर, दुर्भाग्य से, हो इसका उल्टा रहा है। जाने–अनजाने हम इस खतरे को बढ़ा रहे हैं। हमारी त्रासदी यह भी है कि हम बंटने वाली राजनीति को समझने की कोशिश भी नहीं करना चाहते। इसलिए संघ के मुखिया के विविधता में एकता वाले उद्घार को ईमानदारी से स्वीकारना होगा। भारत में पैदा होने वाला हर व्यक्ति हिंदू है, इस बात के मर्म को समझना होगा। विविधता में एकता का तकाजा है कि हम भारत में जन्म लेने वाले हर नागरिक को भारतीय समझें! यही बात स्वयं को भारतीय समझने पर भी लागू होती है। भागवत यह बात अपने अनुयायियों को समझाएं, तब बात बनेगी।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

उद्योग क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

—प्रह्लाद सबनानी—

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावाले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेप्टो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नॉलोजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 2025 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वही है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घरानेध्खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट–अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट–अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं। किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनीयर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं है। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजिनीयरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ऋणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अतः भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है। कई देशों ने तो अपनी संसद में प्रस्ताव पास करने के उपरांत भारत सरकार से भारतीय युवाओं को इन देशों में भेजने की मांग की है।

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण

जनसंख्या की समस्या और एस.आई.आर

—एस. वाई. कुरैशी—

दशकों तक भारत जनसंख्या विस्फोट को लेकर चिंतित रहा। हर जनगणना खतरनाक सुर्खियां लेकर आती थी। पंचवर्षीय योजनाएं थीं, परिवार–नियोजन कार्यक्रम, लाल त्रिकोण, नारे और जनसंख्या स्थिरीकरण पर संगोष्ठियां थीं। जनसांख्यिकीविद् हमें चेतावनी देते थे कि हम भारतीय बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें चिंता करने की जरूरत नहीं थी। ऐसा लगता है कि इसका समाधान पूरी तरह से अप्रत्याशित जगह से आया है– भारत निर्वाचन आयोग। मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) कुछ ही महीनों में वह हासिल करने में सक्षम दिखता है जो दशकों की जनसंख्या नीति नहीं कर सकी। एस.आई.आर. से पहले दिल्ली में लगभग 1.45 करोड़ मतदाता थे। इसकी मसौदा सूची घटकर लगभग 97.5 लाख रह गई है , लगभग 48 लाख की गिरावट, करीब एक–तिहाई। महाराष्ट्र लगभग 9.78 करोड़ से 7.71 करोड़ पर आ गया है, जिससे 2 करोड़ से अधिक नाम मसौदे से बाहर हो गए हैं। कर्नाटक में भी मसौदा चरण में 1 करोड़ से अधिक नाम बाहर किए गए हैं। एस.आई.आर. के तीन चरणों में, कथित तौर पर मसौदा सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम बाहर छोड़ दिए गए हैं। माना कि ये सभी अंतिम विलोपन नहीं हैं। दावे और आपत्तियां कई नामों को बहाल करेंगी। लेकिन एक महान राष्ट्रीय उपलब्धि को खराब करने के लिए ऐसी तकनीकी बारीकियों की अनुमति क्यों दी जाए?

यदि मतदाता–सूची के अंकगणित को जनसांख्यिकी मान लिया जाए, तो भारत की जनसंख्या समस्या शायद खुद–ब–खुद हल हो रही है। शायद अब हम 1.45 अरब लोग नहीं हैं। शायद हम चुपचाप खिसककर 1.2 अरब पर आ गए हैं। गहन पुनरीक्षण का एक या दो दौर और, और वांछित 1 अरब का आंकड़ा पहुंच के भीतर हो सकता है। फायदों के बारे में सोचिए। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता बढ़ जाएगी। प्रति हजार जनसंख्या पर अस्पताल के बिस्तरों में सुधार होगा। आवास की कमी घट जाएगी। शिक्षक–छात्र अनुपात बेहतर दिखेगा।

यहां तक कि प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (डी.जी.पी.) भी बिना बढ़ाने की असुविधा के काफी बढ़ सकता है। मतदाता सूचियां एक पीढ़ी में एक बार नए सिरे से तैयार नहीं की जाती हैं। उन्हें निरंतर अद्यतन (अपडेट) किया जाना चाहिए। वार्षिक संशोधन होते हैं, बूथ स्तर के अधिकारी (बी.एल.ओ.), राजनीतिक–पार्टी के एजेंट और नाम जोडने, हटाने और सुधार करने की विस्तृत प्रक्रियाएं होती हैं। यदि यह तंत्र ठीक–ठाक काम कर रहा था, तो हमें अचानक कैसे पता चला कि दिल्ली के लगभग एक–तिहाई मतदाताओं को मसौदा सूची से बाहर करने की आवश्यकता है, या महाराष्ट्र में 2 करोड़ से अधिक नामों को एक ही झटके में गायब होना पड़ रहा है?

या तो पुरानी सूचियां (जिनके आधार पर चुनाव आयोग ने 2024 का आम चुनाव कराया था) आश्चर्यजनक रूप से अविश्वसनीय थीं, या वर्तमान प्रक्रिया के लिए किसी असाधारण स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। दोनों में से कोई भी संभावना विशेष रूप से आश्वस्त करने वाली नहीं है।

हमने पहले भी देखा है कि नागरिकता, पहचान और दस्तावेजीकरण से जुड़ी भारी भरकम प्रक्रियाएं कैसे अपना एक अलग ही रूप ले लेती हैं। असम का एन.आर.सी. एक शिक्षाप्रद उदाहरण है। उच्चतम न्यायालय की निगरानी में वर्षों के सत्यापन, भारी प्रशासनिक प्रयास और लगभग 1,600 करोड़ रुपए के व्यय के बाद, 2019 की अंतिम सूची में 19.06 लाख लोग बाहर रह गए थे। हालांकि, परिणाम ने एक अप्रत्याशित राजनीतिक समस्या पैदा कर दी। उस समय व्यापक रूप से प्रसारित अनुमानों से पता चला कि बाहर किए गए लोगों में एक बड़ा हिस्सा केवल मुस्लिम प्रवासियों की बजाय बंगाली भाषी हिंदुओं का था।

एस.आई.आर. के साथ एक असहज समानता है। आलोचकों को संदेह है कि इस प्रक्रिया का मुसलमानों पर असंगत प्रभाव पड़ेगा, यह एक ऐसा आरोप है जिसे चुनाव आयोग ने दृढ़ता से खारिज किया है। लेकिन एक बार जब करोड़ों लोगों पर दस्तावेजी जाल बिछा दिया जाता है, तो नौकरशाही जरूरी नहीं कि उसी राजनीतिक सटीकता के साथ भेदभाव करे जिसकी उसके आलोचक या समर्थक कल्पना करते हैं। बड़ी संख्या में हिंदू भी निवास, प्रवासन, दस्तावेजीकरण, वर्तनी, पहचान और सत्यापन के सवालों में उलझ जाते हैं। बेशक, मतदाता सूची स्वच्छ होनी चाहिए। मृत मतदाताओं को हटाया जाना चाहिए। डुप्लीकेट प्रविष्टियां गायब होनी चाहिएं। कोई व्यक्ति जो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गया है, उसे पुराने पते पर अनिश्चित काल तक नामांकित नहीं रहना चाहिए।

हमारी प्रतिस्पर्धा समय से है, शिक्षक दिवस पर बोले सीएम योगी– यूपी को बदनाम करने की हो रही साजिश

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस के मौके पर कहा कि हमारी प्रतिस्पर्धा चुनावी उड़ानों पर नैय्या तय करने वाले लोगों से नहीं समय से है। जिस बच्चे को आज आप पढ़ा रहे हैं, यदि आप चूक गए तो उसका बचपन दोबारा नहीं आने वाला। इसलिए हम सबको समय के साथ सही दिशा में आगे बढ़ने, निर्णय लेने और खुद को अपडेट करने की आदत बनानी होगी। एक मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल के एक वीडियो की जांच में पता चला कि नागपुर के एक जर्जर भवन का चित्र लाकर झांसी के नाम पर चस्पा कर दिया। कहीं का वीडियो कहीं के नाम पर दिखा जा रहा है। यह यूपी और यहां के शिक्षा जगत को बदनाम करने की साजिश है।

सीएम योगी ने शिक्षा व्यवस्था और स्कूलों की स्थिति को लेकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बयान देना आसान है लेकिन 1.60 लाख बच्चों के अकाउंट में डीबीटी के जरिए पैसा पहुंचा देना, संस्कृत से छठी क्लास से आचार्य तक बच्चों को स्कॉलरशिप

से जोड़ देना, प्रोजेक्ट अलंकार, ऑपरेशन कायाकल्प, कस्तूरबा गांधी विद्यालय में एक साथ छठी से 12 वीं तक की पढ़ाई जैसे निर्णय करना कठिन था जो हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी के लाखों बच्चों के जीवन और शिक्षा व्यवस्था में जो आमूलचूल परिवर्तन हुआ है क्या यह परिवर्तन उनको दिखाई नहीं पड़ता है। गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ चयनित 81 शिक्षकों को सम्मानित किया।

इनमें बेसिक के 61 और माध्यमिक के 15 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार 2025 और माध्यमिक के पांच शिक्षकों को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में 33 महिला शिक्षक भी रहीं। बेसिक शिक्षा विभाग की 31 और माध्यमिक शिक्षा विभाग की दो महिला शिक्षिकाओं को पुरस्कार के लिए चुना गया। पुरस्कार के साथ ही शिक्षकों को सम्मान राशि और अन्य सुविधाएं भी दी गई हैं। हर शिक्षक को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और 25 हजार रुपये की सम्मान राशि दी गई। राज्य स्तरीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा में दो वर्ष की वृद्धि का प्रावधान है। इसके अलावा पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को आजीवन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में प्रत्येक वर्ष 4000 किलोमीटर तक निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। पुरस्कार समारोह में शामिल होने के लिए प्रदेश के अलग–अलग जिलों से चयनित शिक्षक गोरखपुर पहुंचे थे। शासन की ओर से सभी चयनित शिक्षकों के ठहरने की व्यवस्था होटलों में विशिष्ट अतिथि के रूप में की गई थी। कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि हर क्षेत्र में राजनीति हो सकती है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में नहीं होनी चाहिए। विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण की जगह हैं। यहां शिक्षक का ध्यान किसी राजनीतिक विचार या स्वार्थ के बजाय बच्चों की शिक्षा, संस्कार और प्रतिभा निखारने पर होना चाहिए। शिक्षा जितनी मजबूत होगी, समाज और राष्ट्र की नींव उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला नहीं, बल्कि बच्चों को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक भी है। उसके आचरण और कार्यशैली का प्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में संसाधन महत्वपूर्ण हैं। लेकिन उससे अधिक जरूरी शिक्षक की इच्छाशक्ति और काम के प्रति समर्पण है। उन्होंने सीमित संसाधनों में नवाचार के जरिए अपने विद्यालयों की तस्वीर बदल देने वाले शिक्षकों की तारीफ की और कहा कि ऐसे प्रयोगों को दूसरे विद्यालयों तक पहुंचाने की जरूरत है। अधिक से अधिक बच्चों को नवाचारों का लाभ मिलना चाहिए। सीएम योगी न कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं है। बच्चों में ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी शिक्षक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे की क्षमता अलग होती है। शिक्षक को उसकी प्रतिभा पहचानकर उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। सीएम योगी ने तेजी से बदलती तकनीक का उल्लेख किया और शिक्षकों से खुद को समय की जरूरतों अनुरूप अपडेट रखने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि तकनीक, शिक्षा का विकल्प नहीं है। यह उसे बेहतर बनाने का जरिया है। इसका ठीक ढंग से इस्तेमाल कर शिक्षण को अधिक सरल, रोचक और उपयोगी बनाया जा सकता है।

जन्माष्टमी कार्यक्रम में गया था परिवार, घर से घुसे चोरों ने 5 लाख के जेवर किए पार

संवाददाजा–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के सेहुड़ा गांव में जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान चोरों ने एक घर को निशाना बना लिया। परिवार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाहर जाने के दौरान चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और कमरे में रखा जेवर से भरा बक्सा उठा ले गए। चोरों ने गांव के पश्चिम सिवान में बक्सा ले जाकर जेवर निकाले और खाली बक्सा वहीं फेंककर फरार हो गए। पीड़ित गोपाल शुक्ल के अनुसार, रात में गांव में जन्माष्टमी का कार्यक्रम चल रहा था। वह परिवार के साथ कार्यक्रम देखने गए थे। इसी दौरान चोरों ने पतरे के रास्ते छत से घर में प्रवेश किया। कमरे में रखा जेवर से भरा बक्सा लेकर चोर गांव के पश्चिम सिवान की ओर चले गए। वहां बक्सा खोलकर जेवर निकाले और उसे वहीं छोड़कर भाग गए। कार्यक्रम से लौटने पर परिवार को चोरी की जानकारी हुई। घर में तलाश करने के बाद आसपास भी खोजबीन की गई। सुबह गांव के पश्चिम सिवान में खाली बक्सा पड़ा मिला। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को देते हुए तहरीर दी है। तहरीर के मुताबिक चोर करीब पांच लाख रुपये के जेवर ले गए हैं। इसमें छह ग्राम की बिंदिया, दो मंगलसूत्र करीब 10–10 ग्राम, चेन व अंगूठी करीब 15 ग्राम, दो अन्य मंगलसूत्र, दो अंगूठी करीब छह ग्राम, पांच ग्राम की झुमकी, बच्चों के तीन लॉकेट, चांदी की पाजेब, दो पतली पायल और दो नथिया शामिल हैं। थानाध्यक्ष संजय मिश्र ने बताया कि चोरी की तहरीर मिली है। वह स्वयं मौके पर जांच करने गए थे। घटनास्थल पर चोरी से संबंधित कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से गूंजी रामनगरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। शुक्रवार की मध्यरात्रि जैसे ही घड़ी की सुइयां 12 पर ठहरीं, रामनगरी कृष्ण भक्ति के उल्लास में डूब गई। 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से अयोध्या की गलियां और मंदिर परिसर गूंज उठे। श्रीराम जन्मभूमि, मणिरामदास छावनी, दशरथ महल, वेद मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, परमहंस आश्रम, बैकुंठ धाम, श्रीरामवल्लभ कुंज, उत्तर तोताद्रिमठ विभीषण कुंड, श्रीलक्ष्मण किला और श्री सियाराम किला सहित नगर के प्रमुख मंदिरों में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।प्रातरूकाल से ही मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम आरंभ हो गया। पंचामृत एवं सुगंधित औषधियों से भगवान का अभिषेक कर नवीन वस्त्र धारण कराए गए और मनोहारी श्रृंगार किया गया। वैदिक आचार्यों के मंत्रोच्चार के बीच पूजन–अर्चन हुआ। दिनभर भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम चलते रहे। मध्यरात्रि में शंख–घंटों की मंगलध्वनि के बीच भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ तो श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मंदिरों में आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। उत्तर तोताद्रिमठ, विभीषण कुंड स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर में जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के सानिध्य में जन्माष्टमी महोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया गया। ट्रस्ट के ट्रस्टी केशव प्रपन्नाचार्य और केशव नारायण दुबे के संयोजन में मध्यरात्रि ठीक 12 बजे भगवान की आरती उतारी गई। इससे पूर्व पंचामृत अभिषेक, नवीन वस्त्र धारण, दिव्य श्रृंगार और विविध भोग अर्पित किए गए।जगद्गुरु स्वामी अनंताचार्य महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण मायावी ही नहीं, बल्कि योगेश्वर हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को उनका प्राकट्य हुआ था। इस वर्ष शुभ संयोगों के एक साथ आने से जन्मोत्सव का मुहूर्त विशेष मंगलकारी रहा। उन्होंने कहा कि भगवान के प्राकट्य का पर्व भक्तों के जीवन में आनंद, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है।

नव विवाहिता की फांसी के फंदे से लटकी मिली लाश

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बेलहर कला थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बेलहर कला में शनिवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उसकी लाश फांसी के फंदे से लटकते मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगर पंचायत बेलहर कला निवासी निखिल की शादी आठ माह पूर्व लक्ष्मी देवी से हुई थी। शनिवार को लक्ष्मी का शव घर में फांसी के फंदे से लटकता मिला। उसके फांसी पर लटकने की सूचना पर घर में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पेट्रोल की बोतल लेकर ब्लॉक पहुंचा युवक, मचा हड़कंप

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के नाथनगर ब्लॉक मुख्यालय पर शनिवार को एक अदद आवास की मांग को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर काट रहे एक युवक ने ऐसा कदम उठाया कि अचानक हड़कंप मच गया। महुली थाना क्षेत्र के छितही गांव निवासी तबरेज अहमद प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल लेकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंच गया और सीधे कार्यालय में जाकर आवास की मांग करने लगा। हाथ में पेट्रोल की बोतल देखकर ब्लॉक कर्मचारियों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक से पेट्रोल की बोतल अपने कब्जे में ले लिया। छितही गांव निवासी तबरेज अहमद पुत्र तफज्जुल हुसैन का कहना है कि वह काफी समय से आवास के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। शनिवार को वह पेट्रोल की बोतल लेकर ब्लॉक पहुंचा और अधिकारियों के सामने अपनी पीड़ा रखी। वह आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। उसके इस कदम से कुछ देर के लिए ब्लॉक परिसर में हड़कम्प की स्थिति बन गई। तबरेज का आरोप है कि पात्र होने के बावजूद उसे पात्रता श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। उसका कहना है कि उसके पास आवास के नाम पर खाली भूमि के अलावा कुछ नहीं है। इसके बावजूद उसे सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। युवक ने ब्लॉक कर्मचारियों पर दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है।युवक ने चेतावनी दी कि यदि उसके साथ किसी प्रकार की अनहोनी होती है तो इसके लिए गांव के कुछ लोगों के साथ ही संबंधित कर्मचारी जिम्मेदार होंगे।

उसने ग्राम पंचायत छितही में विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत मुख्यमंत्री दरबार में करने की भी बात कही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक से पेट्रोल की बोतल छीन लिया। हालांकि युवक अपनी मांग पर अड़ा रहा। ब्लॉक मुख्यालय में ही बैठकर खंड विकास अधिकारी के आने का इंतजार करता रहा। पता चला कि बीडीओ तहसील समाधान दिवस में गए हुए थे। मामले को लेकर ब्लॉक परिसर में दिन भर तरह–तरह की चर्चाएं होती रहीं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

निगरानी सं0– /2024

शिव नरायन सिंह आदि

बनाम

बलवन्त सिंह आदि

1. बलवन्त सिंह पुत्रद शमसेर सिंह 2. अभय सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह 3. श्रीमती ममता सिंह पत्नी विजय बहादुर सिंह 4. अस्तुति बहादुर सिंह पुत्री विजय बहादुर सिंह 5. संता पुत्री रघुपति सिंह 6. शशिभान सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह 7. रामपाल सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह 8. राम गोपाल सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह 9. विशम्भर सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह 10. सियाराम सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह 11. बाबूलाल पुत्र रामदास 12. अमरनाथ सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह 13. अजय कुमार सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह 14. सियाराम सिंह पुत्र विशम्भर सिंह 15. सुरेन्द्र सिंह पुत्र विशम्भर सिंह 16. अमित कुमार सिंह पुत्र विशम्भर सिंह साकिनान मौजा संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 17. श्यामलाल पुत्र सोमई साकिन भिटिया इन्द्रजीत सिंह तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

– विपक्षीगण प्रथम वर्ग

18. उमेश बहादुर सिंह पुत्र रामलखन सिंह 19. गिरजेश बहादुर सिंह पुत्र रामआज्ञा सिंह 20. चन्द्रेश बहादुर सिंह पुत्र रामलखन सिंह 21. रमेश बहादुर सिंह पुत्र रामलखन सिंह 22. राजेश कुमार सिंह पुत्र हरीश बहादुर सिंह 23. विजय बहादुर सिंह पुत्र रामलखन सिंह 24 श्रीमती निर्मला देवी पत्नी (मृतक) पत्नी हरीश बहादुर सिंह साकिनान मौजा संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

– विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

25. ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम प्रधान– 26. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

– विपक्षीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 11–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 09 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

आधी रात जन्मे कान्हा, सीएम योगी ने पालने में झुलाया-उतारी आरती

संवाददाता–गोरखपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के जन्म लेते ही महायोगी गोरखनाथ की साधनास्थली गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने उनकी पूजा–अर्चना की और उनके बाल स्वरूप को पालने में झुलाया। पूरा मंदिर परिसर श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार रात लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे। यहां गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन उपलक्ष्य में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मध्यरात्रि में कान्हा के जन्म लेते ही घरों में बधाइयां गूंज उठीं। गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण के प्राकट्य के बाद श्नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल कीश और 'श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव' की मंगल धुन, सोहर गीत और घंट–घड़ियाल की ध्वनि के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ उन्हें गोद में लेकर गर्भगृह से बाहर आए। सीएम योगी ने, प्रभु श्रीहरि के बाल स्वरूप 'लड्डू गोपाल' को फूलों से सजे पालने में बैठाकर श्रद्धाभाव से उन्हें झुलाया और आरती उतारी। प्रभु श्रीकृष्ण का प्राकट्य अनुष्ठान पूर्ण होने के उपरांत मंदिर की तरफ से श्रद्धालुओं को फलाहार और प्रसाद वितरित किया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में भजन कीर्तन के मध्य श्रीकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में राधा व कृष्ण बने बच्चों को खूब स्नेह दिया।

पद्मश्री डॉ. रामचेत चौधरी को राष्ट्र रत्न सम्मान मिला

संवाददाता–गोरखपुर। कालानमक धान के संरक्षणकर्ता पद्मश्री डॉ. रामचेत चौधरी को शनिवार को नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में समारोह में समारोह में राष्ट्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। डॉ. चौधरी को मिले सम्मान पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। यह सम्मान राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री राज्यसभा सदस्य रामदास अठावले, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने प्रदान किया। समारोह में पद्मश्री डॉ. रामचेत चौधरी के कृषि क्षेत्र में योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट, मिनिस्ट्री ऑफ सोशल अफेयर्स और वर्ल्ड बुद्धिस्ट ऑर्गनाइजेशन की ओर से किया गया।

झोलाछाप के इंजेक्शन से व्यक्ति की मौत, क्लीनिक बंद करके आरोपी फरार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। झोलाछाप से इलाज कराने पहुंचे व्यक्ति की इंजेक्शन लगने के कुछ ही घंटे बाद हालत बिगड़ गई। परिजन उसे आनन–फानन आजमगढ़ के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपी झोलाछाप क्लीनिक में ताला लगाकर भाग गया है। सीएमओ डॉ. प्रमोद कुमार ने सीएचसी अधीक्षक से प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। मूल रूप से कटका के रतना भूयारी का पुरवा निवासी वीरेंद्र प्रजापति (51) की बीते दिनों उंगली में चोट लगी थी। इसका इलाज वह रतना डिहवा स्थित एक झोलाछाप से करा रहे थे। आरोप है कि बृहस्पतिवार को उसी उंगली में दोबारा चोट लगने के बाद जब वे झोलाछाप के पास पहुंचे तो उसने उनको इंजेक्शन लगा दिया। कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे लेकर आजमगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचे। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पति की मौत की खबर मिलते ही पत्नी दुर्गावती देवी बेसुध हो गईं। उनको छह पुत्रियां और एक पुत्र है। तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। बेटा व तीन अन्य बेटियां पढ़ाई कर रही हैं। थानाध्यक्ष अक्षय पटेल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा। परिजनों ने अभी कोई शिकायत पत्र प्राप्त नहीं दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–1636 /2025

धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर

दरशू प्रसाद

बनाम

सरकार

मौजा कारेखूट तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

1. घिसियावन पुत्र गोपाली (मृतक) वारिसान 1/1 शिवमूरत पुत्र घिसियावन 2. रामलखन पुत्र दयाराम 3. रामपति पुत्र सुखराम (मृतक) वारिसान 3/1 बाबूलाल पुत्र रामपति 3/2 फुन्नीलाल पुत्र रामपति 4. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति जरिये ग्राम प्रधान कारेखूट तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 23–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 03 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 153/2024

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर

नीरजा सिंह आदि

बनाम

शिव मुकुन्द सिंह आदि

1. शिव मुकुन्द सिंह उम्र करीब 55 वर्ष पुत्र लखन सिंह 2. शिवाशु सिंह उर्फ रिशू सिंह उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र शिव मुकुन्द सिंह समस्त निवासीगण ग्र्राम चौखड़ा पोस्ट चौखड़ा वाया डुमरियागंज तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 26–10–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **26–10–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 05.09. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद संख्या 770/2015

सुशीला देवी

बनाम

श्यामलाल

1. खदेरू पुत्र स्व0 श्यामलाल 2. पल्टू पुत्र स्व0 श्यामलाल 3. रामउग्रह पुत्र स्व0 श्यामलाल साकिन सबदेईया कला तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती सदर जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 05 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0– 16/2022

कपिलदेव

बनाम

सीता सिंह

1. सीता सिंह उम्र 55 वर्ष पत्नी आसमान सिंह साकिन थन्हवा मुडियारी तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–10–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 10 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 05 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7

(देखे नियम–11 (1)

घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना

अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0टी0सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

घरेलू हिंसा परिवाद संख्या–234/2025

थाना–वाल्टरगंज

जिला–बस्ती

रेनू यादव

बनाम

अमित यादव आदि

1. अमित यादव उम्र 36 साल पुत्र राम जवाहिर 2. सोनू उर्फ विनीत कुमार यादव उम्र 42 साल पुत्र राम जवाहिर 3. चन्दा देवी उम्र 40 साल पत्नी सोनू उर्फ विनीत कुमार यादव साकिन भावपुर (परसा जागीर) थाना वाल्टरगंज जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 01–10–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 01 मास 10 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

सांप ने मां-बेटे को डसा, बालक की मौत, बच्चे के उंगली पर और मां के गाल पर भी मिला था डसने का निशान

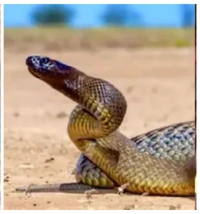

संवाददाता—महराजगंज। मिठौरा क्षेत्र की मधुबनी ग्रामसभा के पोखरहवा टोले में शुक्रवार रात सांप के डसने से 11 वर्षीय अर्पित यादव की मौत हो गई। बताया गया कि अर्पित अपनी मां सुगंधा यादव के साथ बिस्तर पर सो रहा था। रात करीब दो बजे अचानक उसे उल्टी होने लगी। परिजनों ने जब उसकी हालत देखी तो उसकी उंगली पर सांप के डसने का निशान मिला। परिवार के लोग तत्काल उसे सीएचसी मिठौरा (जगदौर) लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद अर्पित को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर के बाद परिवार में कोहराम मच गया। कृष्णमुरारी यादव की पत्नी सुगंधा यादव शुक्रवार रात अपने 11 वर्षीय बेटे अर्पित के साथ सो रही थीं। रात करीब दो बजे अर्पित की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसे उल्टी होने लगी और परिवार के लोग तत्काल उसके पास पहुंचे। स्थिति को देखकर परिजनों ने जब जांच की तो अर्पित की उंगली पर सांप के डसने का निशान दिखाई दिया। इसके बाद परिवार को आशंका हुई कि बिस्तर पर सोते समय उसे सांप ने डसा है। परिजनों ने बिना देर किए उसे इलाज के लिए सीएचसी मिठौरा पहुंचाया।

सीएचसी मिठौरा में डॉक्टरों ने अर्पित को प्राथमिक उपचार दिया। हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख—पुकार मच गई। अर्पित का शव घर पहुंचने के बाद मां सुगंधा की तबीयत भी अचानक बिगड़ गई। उन्हें उल्टी होने लगी और उनकी हालत देखकर परिजन उन्हें तत्काल दोबारा अस्पताल लेकर गए। अर्पित की मां सुगंधा यादव को पहले सीएचसी मिठौरा ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, सुगंधा के गाल पर भी सांप के डसने का निशान मिला है।

मां और बेटे दोनों को एक ही रात सांप के डसने की घटना से पूरा परिवार सदमे में है। फिलहाल सुगंधा का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अर्पित तीन भाइयों में छोटा था। उसका बड़ा भाई विवेक यादव है। बेटे की मौत के बाद पिता कृष्णमुरारी यादव, बड़े पिता राजेश्वर यादव, बाबा विश्वनाथ यादव, भाई विवेक, आयुष और दादी विन्द्रावती समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो—रोकर बुरा हाल है। परिजनों के लिए यह घटना बेहद दुखद है। रात में सामान्य रूप से सोने के बाद अचानक अर्पित की तबीयत बिगड़ी और कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत से पूरे टोले में भी शोक का माहौल है। घटना के बाद परिवार और ग्रामीणों में सांप को लेकर दहशत फैल गई। सांप की तलाश के लिए साहनी रक्षक टीम के रामबचन साहनी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घर के अंदर काफी देर तक तलाश की। इसी दौरान एक गत्ते के अंदर

एक ही रात में मां और बेटे के सांप के डसने की घटना से ग्रामीणों में भी चिंता बढ़ गई है। खासकर बरसात के मौसम में सांपों के घरों के अंदर आने की आशंका को लेकर लोग सतर्क हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घरों के आसपास घास—फूस, कबाड़ और ऐसी जगहों की नियमित सफाई जरूरी है, जहां सांप छिप सकते हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सांप के डसने की स्थिति में घरेलू उपचार के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए।

कृष्णमय हुआ स्कूल, गुरु की भूमिका में नजर आए विद्यार्थी

—जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ में दिखा उत्साह, नन्हे कान्हा के रूप में बच्चों ने मोहा मन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। सनातन ग्लोबल स्कूल हर्रैया में शनिवार को जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का समारोह हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, संस्कार और गुरु—शिष्य परंपरा की मनोहारी झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और शिक्षकों के महत्व को जीवंत किया।जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। मटकी फोड़ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। वहीं, नन्हे—मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर आकर्षण का केंद्र बने रहे। उनकी वेशभूषा और भाव—भंगिमाओं ने सभी का मन मोह लिया।

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों को सम्मान देने के साथ ही उनकी भूमिका को समझने की अनूठी पहल की। विद्यार्थियों ने कक्षाओं में अध्यापक की भूमिका निभाई और अपने सहपाठियों को पढ़ाया। इस गतिविधि के माध्यम से उन्हें शिक्षण कार्य की जिम्मेदारी, धैर्य और चुनौतियों को करीब से समझने का अवसर मिला। विद्यालय की निदेशक कविता त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान हासिल करना नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, अनुशासन और मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सभी के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने, बड़ों का आदर करने तथा अपनी संस्कृति और संस्कारों पर गर्व करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, भारतीय संस्कृति और गुरु—शिष्य परंपरा से जुड़ने का अवसर दिया। वहीं, शिक्षक की भूमिका निभाकर विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व और उनके दायित्वों को समझने का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन उल्लासपूर्ण वातावरण में सकारात्मक एवं प्रेरक संदेश के साथ हुआ।

गुरु—शिष्य परम्परा का अनूठा संगम, अनुष्का बनीं प्रधानाचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। गुरु केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, वे जीवन को दिशा देते हैं। उनके ज्ञान और संस्कारों से ही विद्यार्थी अपने भविष्य की नींव मजबूत करते हैं। इसी भावना को आत्मसात करते हुए एच.एम.ए. इंटर कॉलेज, हर्रैया में शनिवार को शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर गुरुजनों के सम्मान, विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और तालियों की गूंज से सराबोर रहा।

समारोह का विशेष आकर्षण विद्यालय की छात्रा कु. अनुष्का सिंह का छात्र प्रधानाचार्य बनना रहा। छात्र प्रधानाचार्य के रूप में अनुष्का सिंह ने विद्यालय की प्रधानाचार्य संबंधी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया। उन्होंने नेतृत्व, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और कार्यकुशलता का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि अवसर मिलने पर छात्र भी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकते हैं। विद्यालय परिवार ने इस पहल को विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और प्रशासनिक समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहजाद ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को गढ़ने का कार्य करते हैं। शिक्षक ही बच्चों में संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। विद्यालय के निदेशक एम.डी. ओझा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की सबसे मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक के ज्ञान और संस्कारों की रोशनी ही विद्यार्थी के जीवन को सही दिशा देती है। हमारा प्रयास है कि एच.एम.ए. इंटर कॉलेज से निकलने वाले विद्यार्थी केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले न हों, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाएं। प्रधानाचार्य के.एन. वर्मा ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु का सम्मान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है। शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने का कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को जीवन में आत्मसात करें और अपने आचरण से गुरुजनों का सम्मान बढ़ाएं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, भाषण, कविता एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों ने उनके मार्गदर्शन को अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी बताया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाकियू जिलाध्यक्ष ने भू—माफिया पर लगाया धमकी का आरोप

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के मुजुरी गांव निवासी और भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के जिलाध्यक्ष रामअशीष ने कुछ लोगों पर अभद्रता, गाली—गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया है।

उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल को दिए पत्र में रामअशीष ने बताया कि वह सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह किसानों और कमजोर लोगों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाते हैं। उन्होंने तेंदुअहिया गांव में पट्टेदार किसानों को न्याय दिलाने के लिए कथित भू—माफिया के खिलाफ 37 दिनों तक शांतिपूर्ण धरना दिया था। उनका दावा है कि प्रशासन के दखल के बाद किसानों को न्याय मिला। रामअशीष के मुताबिक, 4 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे कार्यकर्ताओं के बुलाने पर वह तेंदुअहिया पहुंचे थे। आरोप है कि वहां कुछ लोगों ने उन्हें बातचीत के लिए छावनी टोला महुआरी के पास बुलाया। वहां उनके साथ अभद्रता और गाली—गलौज की गई। किसी तरह वहां से निकलकर घर लौटते समय विनोद पुत्र मोतीलाल ने मोटरसाइकिल से उनका पीछा किया। सुमेर टेंट हाउस के सामने उन्हें घेरकर फिर से गाली—गलौज और धमकियां दी गईं। उन्होंने आशंका जताई कि आरोपी उनके साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। भाकियू जिलाध्यक्ष ने दोषियों की पहचान कर केस दर्ज करने, किसानों की पुरानी शिकायतों पर कार्रवाई करने और विवाद की स्थिति को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए मजबूर होंगे। जिलाधिकारी ने किसानों को भरोसा दिया कि मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर सुरेश चंद साहनी, मुरारी प्रसाद, सुरेंद्र, निर्मला, कल्याणी, परशुराम, महेंद्र, विवेक, रामवृक्ष, रामदास, दुर्गावती, प्रकाश, सीमा देवी, चंद्रा देवी और कई लोग मौजूद थे।

चौकी इंचार्ज के रिवाल्वर से चली गोली, चौकीदार के पेट में लगी

संवाददाता—कुशीनगर। पडरौना कोतवाली परिसर में शनिवार की दोपहर लगभग दो बजे कस्बा पुलिस चौकी इंचार्ज वीरेंद्र बहादुर सिंह के निजी रिवाल्वर से निकली गोली ड्यूटी पर तैनात चौकीदार के पेट में जा लगी। वह लहूलुहान हो गिर पड़े। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में गोरखपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। गोली चलने के बाद पूरे परिसर में अफरा—तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि चौकी इंचार्ज असलहे की सफाई कर रहे थे, इस दौरान गोली चल गई। अब सवाल यह है कि, वह निजी रिवाल्वर लेकर कोतवाली क्यों आए थे और बिना गोली निकाले वह कैसे सफाई कर रहे थे। कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि मालखाना में असलहे की सफाई कर रहे थे, गोली दरवाजे पर लगने के बाद चौकीदार को जा लगी। पडरौना कोतवाली के ही साहबगंज मोहल्ला निवासी 55 वर्षीय छोटेलाल जायसवाल चौकीदार हैं। सुबह आठ बजे कोतवाली में ड्यूटी पर आए और अपना कार्य कर रहे थे। बताया जा रहा है कि, दोपहर में कोतवाली पहुंचे पडरौना कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र बहादुर सिंह अपने निजी रिवाल्वर की सफाई करने लगे। इस दौरान अचानक गोली चल गई और छोटेलाल के पेट में जा लगी। वह वहीं गिर पड़े। आनन—फानन पुलिसकर्मी मेडिकल कालेज रवींद्रनगर धूस ले गए, जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देख बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद सवाल उठ रहा है कि, क्या सफाई से पहले चौकी इंचार्ज ने गोली नहीं निकाली थी। पेशेवर होने के बाद भी उनसे असलहे की सफाई के दौरान ऐसी चूक कैसे हुई, जो चौकीदार के जान पर बन आई। एसपी केशव कुमार ने बताया कि, मामला गंभीर है।

गोली किन परिस्थितियों में चली, इसकी प्रारंभिक जांच के लिए सीओ सदर राकेश प्रताप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। डाक्टरों ने बताया है कि, चौकीदार की हालत खतरे से बाहर है।

25 मरीजों का हुआ निशुल्क इलाज

संवाददाता—महराजगंज। बागापार, महराजगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में शनिवार को मरीजों के इलाज के लिए एक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। दोपहर करीब 12 बजे तक कुल 25 मरीजों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया गया। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीजों की जांच की, उन्हें जरूरी दवाएं दीं और स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह भी दी। शिविर में डॉ. अनुज कुमार ने मरीजों की जांच की और उनकी सेहत से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार ने डॉक्टर की सलाह के अनुसार मरीजों को दवाएं दीं। लैब टेक्नीशियन राजकुमार सिंह ने जरूरी जांच में मदद की, जबकि स्टाफ नर्स नीलम चौहान ने मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग किया।

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर पौली ब्लाक के पांच शिक्षक कलेक्ट्रेट सभागार में हुए सम्मानित

पौली (संतकबीरनगर)। शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पौली ब्लाक के पांच शिक्षकों समेत जनपद के 50 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी आलोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी, डायट प्राचार्य नरेंद्र सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह ने शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

पौली ब्लाक से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में दिलीप कुमार, हरिओम त्रिपाठी, अभय दुबे, रुबी और राजेश विश्वकर्मा शामिल रहे। शिक्षकों को सम्मान मिलने पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता जताई और इसे अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास में भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन, रचनात्मकता और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण तैयार करने के लिए शिक्षकों को नवाचार और आधुनिक शिक्षण विधियों का प्रयोग करना चाहिए।

मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षकों की मेहनत का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ता है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने से उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। डायट प्राचार्य नरेंद्र सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह ने भी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर बेसिक शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दें। सम्मानित शिक्षकों ने कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र प्रसाद ने किया।

कार्यक्रम में अरुण प्रताप सिंह, जनार्दन यादव, आशीष सिंह, ज्ञान चंद्र मिश्र, निधि श्रीवास्तव, आदर्श मणि त्रिपाठी सहित तमाम लोग मौजूद

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेलbhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com